निबंधन संख्या पी0टी0-40

बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

29 आषाढ़ 1945 (श0)

(सं0 पटना 595) पटना, वृहस्पतिवार, 20 जुलाई 2023

सं० म०/स्था०रा०प०(मु०)03/2012–2749
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

संकल्प

11 जुलाई 2023

विषयः– **राज्य में मात्स्यिकी विकास से सम्बद्ध आधारभूत संरचनाओं के निर्माण की योजनाओं के सुचारू रूप से कार्यान्वयन हेतु मत्स्य प्रभाग के अभियंताओं को पूर्व प्रदत्त तकनीकी स्वीकृति हेतु शक्तियों की सीमा में अभिवृद्धि प्रदान करने की स्वीकृति के सम्बन्ध में।**

मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में अभिवृद्धि हेतु राज्य में मात्स्यिकी विकास तथा इससे सम्बद्ध आधारभूत संरचनाओं के निर्माण की विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इन योजनाओं का प्रमुख उद्देश्य राज्य को मत्स्य एवं मत्स्य बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर के साथ भू–जल संरक्षित करना है। उक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कृषि रोड मैप के तहत विभिन्न योजनाओं को प्रमुखता प्रदान की गई है। सात निश्चय–2 कार्यक्रम के तहत राज्य के मत्स्य उत्पादन में अभिवृद्धि के साथ–साथ अन्य राज्यों को मछली निर्यात किये जाने के संकल्प को सफलीभूत करने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वर्त्तमान में मात्स्यिकी विकास से संबंधित निम्न योजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा हैं–

(i) **राज्य योजना के तहत** :– सात निश्चय–2 अंतर्गत मत्स्य विकास के संकल्प को पूर्ति करने हेतु राज्य योजना के तहत मुख्यमंत्री समेकित चौर विकास योजना, खुली जलस्रोतों में मछली पालन योजना, बॉयोफ्लॉक आधारित मत्स्य पालन इकाईयों का अधिष्ठापन, तालाबों का जीर्णोद्धार, मत्स्य बीज हैचरी निर्माण आदि कार्यक्रम।

(ii) **केन्द्र प्रायोजित योजना के तहत** :– प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना– लाभुक आधारित मत्स्य उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि, आधारभूत संरचना एवं मत्स्य शिकारमाही के पश्चात् मत्स्य प्रबंधन तथा लाभुक/गैर–लाभुक आधारित मात्स्यिकी प्रबंधन एवं विनयामक ढ़ाँचा का विकास।

2. उपर्युक्त योजनाओं के माध्यम से विभिन्न प्रकार की मात्स्यिकी संरचनाओं यथा–नया तालाब निर्माण, तालाब जीर्णोद्धार, कार्प/झींगा/मांगूर मत्स्य बीज हैचरी, अलंकारी मछलियों के संवर्द्धन इकाई का निर्माण, ब्रुड बैंक का निर्माण, ऍक्वेटिक रैफरल लैब का निर्माण, बॉयोफ्लाक तालाब का निर्माण, बॉयोफ्लाक का निर्माण, फिश फिड मील/ऑइस प्लांट का अधिष्ठापन, चौर विकास, जिन्दा मछली केन्द्र/मनोरंजन मात्स्यिकी

इकाई आदि का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नवीनतम मत्स्य पालन तकनीक के प्रत्यक्षण/स्थानीय मत्स्य कृषकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने हेतु तालाब मात्स्यिकी प्रत्यक्षण एवं प्रसार संवर्द्धन के तहत मत्स्य प्रक्षेत्रों का विकास कराया जा रहा हैं।

3. पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के मत्स्य प्रभाग के अधीन कार्यपालक अभियंता के 01 पद (एक पद), सहायक अभियंता के 09 पद (नौ पद) तथा कनीय अभियंता के 36 पद (छत्तीस पद) सृजित हैं जिस पर कार्यरत अभियंता के द्वारा विभागीय योजनाओं के अंतर्गत निर्माण संबंधी कार्यों का पर्यवेक्षण किया जाता हैं। इन अभियंताओं का वर्त्तमान में तकनीकी स्वीकृति की शक्ति लोक निर्माण विभाग (Public Work Department) के अनुरूप है परन्तु मत्स्य प्रभाग के अभियंताओं के पद सोपान उच्चतम स्तर तक नहीं रहने के कारण सहायक अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता क्रमशः ₹ 1.00 लाख एवं ₹ 3.50 लाख तक की योजनाओं का हीं तकनीकी अनुमोदन हेतु सक्षम है। फलस्वरूप मत्स्य प्रक्षेत्र के ₹ 3.50 लाख से अधिक लागत की योजनाओं/प्रकल्पों में तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने हेतु अन्य विभाग के उच्च–स्तरीय अभियंताओं पर निर्भरता रहती है जिससे योजनाओं के स्वीकृति एवं क्रियान्वयन में विलम्ब होती है।

4. अतः मात्स्यिकी विकास से सम्बद्ध आधारभूत संरचनाओं के निर्माण की योजनाओं के सुचारू रूप से कार्यान्वयन हेतु मत्स्य प्रभाग के अभियंताओं को पूर्व प्रदत्त तकनीकी स्वीकृति हेतु शक्तियों की सीमा में अभिवृद्धि प्रदान करने की स्वीकृति निम्नरूपेण प्रत्यायोजित की जाती है :–

क्र०	सक्षम प्राधिकार	वर्त्तमान शक्ति		प्रस्तावित शक्ति	
		प्रशासनिक स्वीकृति	तकनीकी स्वीकृति	प्रशासनिक स्वीकृति	तकनीकी स्वीकृति
1	सहायक अभियंता	–	₹ 1.00 लाख तक	–	₹ 25.00 लाख तक
2	कार्यपालक अभियंता	–	₹ 3.50 लाख तक	–	₹ 50.00 लाख तक (डिजिटल हस्ताक्षर सहित)

5. इस प्रस्ताव पर वित्त विभाग, बिहार, पटना की सहमति प्राप्त है।

6. इस प्रस्ताव पर दिनांक–27.06.2023 को मंत्रिपरिषद् की बैठक में मद संख्या–22 के रूप में मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति प्राप्त है।

आदेश से,
डॉ० एन० विजयलक्ष्मी,
प्रधान सचिव

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 595-571+300-डी0टी0पी0।
Website: http://egazette.bih.nic.in